>

Title: Regarding poor healthcare services in Jharkhand.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति जी, झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो रही है, मैं उसकी ओर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। एनआरएचएम में जितना बड़ा वहां घोटाला हुआ, वहां के एक मंत्री और स्वास्थ्य सचिव जेल में हैं, लेकिन सरकार ने उससे कुछ नहीं सीखा है। वहां पर चूंकि राष्ट्रपति शासन है इसलिए केन्द्र सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था के खराब होने पर सीधे-सीधे जिम्मेदार है।

19.00 hrs.

एनआरएचएम में वह महल तो बना रही है लेकिन उसमें डॉक्टर्स नहीं हैं, नर्स नहीं हैं, कंपाउडर नहीं हैं, इक्विपमेंट्स नहीं हैं, एक्सरे की मशीन नहीं है, पैथोलॉजिस्ट नहीं हैं। महिलाओं और बच्चों का कोई डॉक्टर नहीं है, अस्पताल में ऑक्सीजन की सुविधा नहीं है, एम्बुलेंस नजर नहीं आती है, ममता वाहन का बुरा हाल है। एम्बुलेंस की 108 नम्बर की सुविधा जो सरकार देना चाहती है उसका बुरा हाल है।

सभापति महोदय, झारखंड की जो स्थिति है चाहे जन्म मृत्यु दर हो, शिशु मृत्यु दर हो, जननी सुरक्षा हो या महिलाओं को प्रसव के लिए जो खाना दिया जाता है, उसका बुरा हाल है। आईसीटीएस में अभी आपने देखा कि आंगनवाड़ी केन्द्र की दुर्गति किस तरह से है तथा जो मैडीकल कॉलिज-हॉस्पिटल बनने वाले हैं, उनका दो-दो साल पहले शिलान्यास दुमका में हो गया, लेकिन अभी तक उसमें एक ईट भी नहीं रखी गयी है। मैं एक जिले की बात नहीं कर रहा हूं पूरे झारखंड की जो स्थिति है वह चौपट है। मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि आप केवल कागजों पर कागजी घोड़े मत दौड़ाइये, झारखंड की जनता के साथ खिलवाड़ मत कीजिए। वे इस देश को चला रहे हैं, इसलिए आप स्वास्थ्य व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन कीजिए। जो लोग एनआरएचएम के घोटाले के जिम्मेदार हैं उनके ऊपर सीबीआई की इंक्वायरी कराकर उन्हें जेल भेजिये।